# हिमाचल प्रदेश के ओक वृक्ष

ओक (बान) के सदाबहार, विशाल वृक्ष अपने गहरे हरे रंग से हिमालय की सुंदरता को बढ़ाते हैं तथा ठण्डक व आरामदायक वातावरण भी प्रदान करते हैं। हिमालय के यह वृक्ष सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। स्थानीय स्तर पर बान की लकडी उच्च कोटि के ईंधन, कृषि सम्बन्धी औजार, कोयला तथा निर्माण कार्यों के लिए उपयोग में लाई जाती है। बान की पत्तियां पशु के चारे के लिए बहुत अच्छी मानी जाती हैं। बान का फल जिसे बांकुल अथवा बनगोली (एकॉर्न) कहा जाता है इन वृक्षों को विशिष्ट पहचान देता है। यह एक शंकुकार तथा गोलफल है जो लकड़ी के प्याले पर बैठा हुआ सा प्रतीत होता है। ये बांकुल वन्य जतुंओं तथा पक्षियों का मनपसंद भोजन है।

हिमाचल में बान वृक्षों (*Qurecus*) की 5 प्रजातियां हैं जो विभिन्न ऊँचाई व पारिस्थितिक क्षेत्रों में पाई जाती हैं (रेखाचित्र देखें)।

**खरशु/भूरा बान** (*Quercus semicarpifolia*)

यह प्रजाति अधिक ऊँचाई वाले क्षेत्रों में सघन व अमिश्रित वनों के रुप में पाई जाती है।इस वृक्ष की पत्तियों की ऊपरी सतह चमकीली हरी तथा निचली सतह भूरे रंग की होती है। बांजफल गोलाकार तथा छोटे प्याले (इन्वोल्युकर) वाले होते हैं।




रेखाचित्र

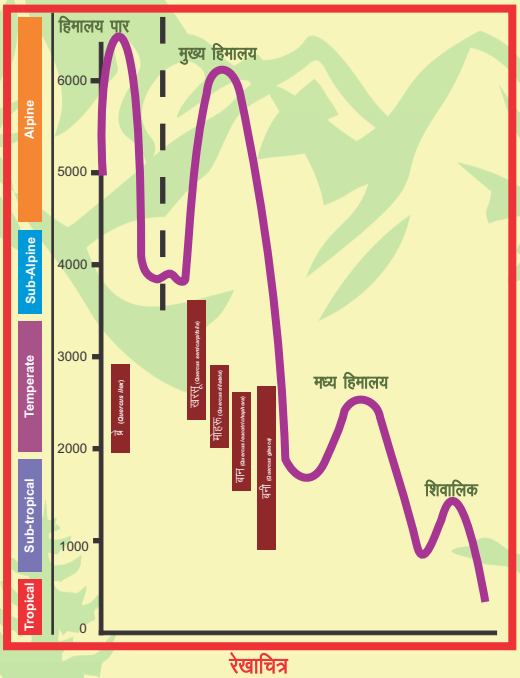

हिमाचल प्रदेश में ओक वृक्षों का ऊँचाई अनुसार विवरण

**मोहरू/हरा बान** (*Quercus dilatata*)

यह मध्य ऊँचाई वाले क्षेत्रों में पाया जाने वाला वृक्ष है, जिसकी पत्तियों की दोनों सतहें चमकीली हरी होती हैं। पत्तियों के किनारे नुकीले दांतों जैसे होते हैं। बांजफल अण्डकार, नुकीले सिरे वाला होता है तथा फल का आध भाग ही नज़र आता है।



बनी (*Quercus glauca*)

यह चौड़े पत्तों वाले मिश्रित वनों में एकल अथवा छोटे समूहों में पाई जाने वाली प्रजाति है। इसकी पत्तियों की ऊपरी सतह चमकीली हरी तथा निचली सतह हल्की भूरी–हरी होती है। इसके बांज फलों का 2/3 भाग पट्टी नुमा कप में छिपा रहता है।

**बान/सफेद बान** (*Quercus leucotrichophora*)

यह बान निचले क्षेत्रों में समूहों में पाया जाता है। इसकी पत्तियों की ऊपरी सतह मंद हरी तथा निचली सतह चांदी की तरह सफेद होती है। इसके फल अण्डाकार होते हैं तथा इसका आधे से अधिक भाग भीतर की ओर मुड़े प्याले में छुपा रहता है।



ब्रे (*Quercus ilex*)

यह राज्य के शुष्क, भीतरी हिमालय का बान है, जो कि अमिश्रित वनों के रूप में जिला किन्नौर में पाया जाता है। पत्तियों की दोनों सतहें चमकीली हरी होती हैं। नवोदित पत्तियों के सिरे नुकीले होते हैं। इसका बांज फल बेलनकार होता है, जिसका 1/3 भाग कप में ढका रहता है।

**वन विभाग- हिमाचल प्रदेश**

चित्र व लेखन – डॉ० जी०एस० गोराया

**प्रचार वन मंडल-शिमला**

design: satish gupta